

## July Month Portions

कविता - एक बूँद

व्याकरण - पर्यायवाची शब्द 16-30

पाठ - प्रजा प्रेम

व्याकरण - विलोम शब्द - 16-30

पाठ - (मिस्टर खट्खटे शम Only for Reading)

## Chapter - 4

कविता - एक बूँद (1-8 lines कंठस्थ)

Page No - 25

I शब्दार्थ page No - 25

II प्रश्नों के मौखिक उत्तर लिखिए

क. बूँद कहाँ से निकलकर आई थी ?

उ. बूँद बादलों से निकलकर आई थी।

ख. बूँद ने देव से क्या पूछा ?

उ. बूँद ने देव से पूछा कि हैं देव ! मेरे राज्य से क्या लिखा है ?

ग. दवा बूँद को कहाँ ले गई ?

उ. दवा बूँद को समुद्र की ओर ले गई।

लिखित अभ्यास :

1. सही उत्तर पर ✓ का चिह्न लगाइए :

क) बूँद के भाग्य में क्या लिखा था ?

उ: मोती बनना

ख) मैंने घर क्यों छोड़ा ?

ग) दूबा      घ) मोती

2. सही या गलत

क) ✗      ख) ✓      ग) ✗      घ) ✓

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) बूँद कहाँ गिरी और क्या बन गई ?

उ: बूँद सीप में गिरी और मोती बन गई।

ख) बूँद क्या-क्या सोच रही थी ?

उ: बूँद सोच रही थी कि मैं धूल में मिलूँगी

या अंगारे पर गिरकर जलूँगी या कमल

के फूल पर गिरूँगी।

ग) घर छोड़ने में लोगों को क्या शिक्षा

दोती है ?

उ: घर छोड़ने पर लोगों को यह शिक्षक होती है  
कि ईश्वर जानें उनके साथ क्या होगा ?

4) पंक्तियाँ पूर्ति कीजिए :

क) यही जी में लगी

आह क्यों घर छोड़कर

ख) मुँह था खुला

वह उसी में जा

शब्द ज्ञान : ① तुकंत शब्द चुनकर लिखिए

1) कढ़ी , 2) जलूँगी , 3) कर , 4) काल

5) फूल , 6) सीप

2) समानार्थक शब्द :

1) मेघ , 2) पवन , 3) पंकज , 4) मुख

5) सागर , 6) मुक्ता

लिंग पहचानकर लिखिए :

1) स्त्रीलिंग , 2) पुल्लिंग , 3) स्त्रीलिंग

4) पुल्लिंग , 5) पुल्लिंग , 6) स्त्रीलिंग

7) स्त्रीलिंग , 8) पुल्लिंग

पाठ - 6 प्रजा प्रेम

I शब्दार्थ page No - 40

II मौखिक उत्तर लिखिए :

क) महाराजा रणजीत सिंह कौन थे ?

उ: महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के राजा थे।

ख) महाराजा रणजीत सिंह शत्रु के समय किस प्रकार घुमते थे ?

उ: वे शत्रु के समय अपने चुने हुए सरदारों के साथ वेश बदलकर घुमते थे।

ग) महाराजा के शिर पर क्या गिरा ?

उ: महाराजा के शिर पर एक लुकीला पत्थर गिरा।

घ) महाराजा ने बुढ़िया को क्षमा करके उसे क्या दिया ?

उ: महाराजा ने बुढ़िया को क्षमा करके उसे दस हजार रुपये दिये।

लिखित अभ्यास

1) क) दैयालु ख) शत्रु को ग) पत्थर घ) दस हजार

2) क) ☐ ख) ☐ ग) ☐ घ) ☒ इ) ☒

3) क) महाराज रणजीतसिंह, पंजाब के राजा थे।

ख) महाराज रणजीतसिंह प्रजा की देखभाल बड़ी चतुरई से किया करते थे। शत्रु के समय वे अपने चुने हुए सरदारों के साथ वेश बदलकर घुमा करते थे।  
ग) बुढ़िया कुवारा फेंका गया एक नुकीला पत्थर राजा

का लगा जिससे उनके सिर से खून बहने लगा, इसलिये सिपाहियों ने बुढ़िया को पकड़ लिया।

घ) बुढ़िया ने कहा "महाराज मैं तीन दिनों से भूखी हूँ। शत्रु के समय गली में नुक्कड़ पर वेश के पेट पर पत्थर मारकर वेश तोड़ना चाहती थी, दिन के समय ऐसा नहीं कर सकती थी। महाराज मुझे क्षमा करें। मैंने जान बूझकर ऐसा नहीं किया है।"

इ) सरदार के प्रश्न का महाराज ने अंत में यह उत्तर दिया, "बैजान पंडे पत्थर की चाँट खाकर मीठे फल दे सकता है तो क्या मैं अपने राज्य की एक भूखी बुढ़िया के लिये इतना भी नहीं कर सकता।"

4) क) 4 ख) 3 ग) 2 घ) 1

शब्द ज्ञान

क) पढ़ेगा ख) पढ़ी ग) पढ़ता है। घ) पढ़ेंगे

02/04/2017

घ) पर

पर्यायवाची 16-30 page No 34

विलोम शब्द 16-30 page No 37, 38

संज्ञा -

- 1) सही विकल्प पर गोला लगाइए :  
क) व्यक्तिवाचक ख) समूहवाचक संज्ञा
- 2) उचित शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए :  
क) बुद्धा ख) कठोरता ग्लोद्या घ) कुल  
ङ) गंगा
- 3) दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए :  
क) मित्रता ख) बचपन ग) मोक्षित  
घ) अपनापन ङ) कठोरता च) चतुर्दश  
छ) सुंदरता ज) घबराहट
- 4) दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए :

व्यक्तिवाचक संज्ञा :

रामचरितमानस , रामलाल , हिमालय ,

माउंट एवरेस्ट

जातिवाचक संज्ञा :

बच्चा , देश , स्त्री , पुरुष

भाववाचक संज्ञा :

चतुर्द्वि, बचपन, चुरती, -चोडाई

5) व्यक्तीवाचक संज्ञा को जप्तीवाचक संज्ञा में परिवर्तन करके पुनः लिखिए

क) पहाड़ से नदी बह रही है।

ख) तोता छेँटे करता है।

ग) आज मिठाई बकायगी आज त्योहार है।

घ) सभी पर्यटक जेट देखने जायें।

ङ) मुझे अपना देश बहुत प्रिय है।

समास

5) सही विकल्प पर गोला लगाइए

क) अन्धश्रवण समास में ख) कर्मधार्य समास में।

1) सही कथन के आगे सही ✓ तथा गलत कथन के आगे गलत ✗ का निशान लगाइए :

क) ✓ ख) ✗ ग) ✓ घ) ✗ ङ) ✗

2) द्विष गृध्र समस्तपदों का विशद कीजिए

क) विधि के अनुसार ख) जन्म तक ग) दायी दाय

घ) मुँह से आग ङ) देश से निभाला

घ) भ्राला है जो मानस छे) चार पायों का  
समाहार. ज) माता और पिता

4) संमस्तपद बनाकर समास का नाम

लिखिए :

क) वीणापाणि - बह्व्रीह समास

ख) मोटा-ताजा - प्रवेक्ष समास

ग) त्रिकला - त्रिवेणी समास

घ) चरण कमल - कर्मधारय समास

च) परमानंद - कर्मधारय समास

छ) ठथर्न - अव्ययीभाव समास

ज) वनगमन - तत्पुंश्व समास

झ) ... समास

...

...

...

...

...

...

...

...